वार्षिक घरेलू विपणन योजना वर्ष 2017-18

विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय

पश्चिमी खंड-7, आर के पुरम, नई दिल्ली

विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय
(घरेलू विपणन)

I. टेक्सटाइल इंडिया -2017

क्रमांक	कार्यक्रम का नाम	तिथि	स्थान	एजेंसी	प्रस्तावित कार्यक्रम
1.	टेक्सटाइल इंडिया 2017	30 जून से 01 जुलाई, 2017 तक	महात्मा मंदिर, गांधीनगर (गुजरात)	ईपीसीएच	पूर्वोत्तर क्षेत्रों के शिल्पों की थीमेटिक प्रदर्शनी
2.	- तदैव-	-तदैव-	-तदैव-	ईपीसीएच	शेष भारत के शिल्पियों का संवर्धन एवं विपणन
3.	- तदैव-	-तदैव-	-तदैव-	सीईपीसी	भारतीय हस्तनिर्मित कालीनों की थीमेटिक प्रदर्शनी

II. एकीकृत विपणन कार्यक्रम -

इन कार्यक्रमों में देश भर से उत्तमता, डिजाइन और अनेक गुणों में भारतीय हस्तशिल्प और हस्तनिर्मित कालीनों, रेशम, जूट, हथकरघा का बेहतरीन प्रदर्शन होगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत में हस्तशिल्प उत्पादों के लिए विशेष मेले आयोजित करना है जिससे घरेलू बाजार में उत्पादों की दृश्यता बढ़ाई जा सके। इस कार्यक्रम से उन कारीगरों/उद्यमियों/बुनकरों को भी लाभ होगा जो अधिक लागत के कारण अंतर्राष्ट्रीय मेलों में भाग लेने में असमर्थ होते हैं। यह कार्यक्रम भारतीय हस्तशिल्पों की थीमेटिक/स्टैंड अलोन प्रदर्शनी, सिद्धहस्तशिल्पियों/बुनकरों द्वारा सजीव प्रदर्शन, बीएसएम, कार्यक्रम का प्रचार आदि को कवर करेगा।

क्रमांक	शहर	दिनों की संख्या	भाग लेने वाले संभावित कारीगरों की संख्या	माह एवं त्योहार	क्षेत्र	एजेंसी
1.	मुंबई	15	200	गणेश महोत्सव (सितंबर 2017)	विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय	सीईपीसी
2.	अहमदाबाद	15	200	दिवाली मेला (अक्तूबर 2017)	विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय	कोहेण्ड्स
3.	वाराणसी	15	200	दीपावली (अक्तूबर 2017)	विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय	ईपीसीएच
4.	बेंगलुरु	15	200	क्रिसमस (दिसंबर 2017)	विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय	एनसीडीपीडी
5.	लखनऊ	15	200	लखनऊ महोत्सव (जनवरी 2018)	विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय	सीईपीसी
6.	हैदराबाद	15	200	नववर्ष महोत्सव (जनवरी 2018)	विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय	कोहेण्ड्स
7.	चेन्नई	15	200	पोंगल त्योहार (जनवरी 2017)	विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय	कोहेण्ड्स

III. राष्ट्रीय स्तर कार्यक्रम -

राष्ट्रीय स्तरीय कार्यक्रम नियमित कार्यक्रम है जो दिल्ली एवं समीपवर्ती क्षेत्रों में कोहेण्ड्स, हरियाणा पर्यटन और राज्य हस्तशिल्प निगमों आदि के सहयोग से विशिष्ट माह एवं तिथियों में आयोजित किए जाते हैं। इन कार्यक्रमों से उन कारीगरों/उद्यमियों को लाभ पहुंचेगा जो अधिक लागत के कारण अंतर्राष्ट्रीय मेलों में भाग लेने में असमर्थ होते हैं।

क्रमांक	माह	कार्यक्रम	दिनों की संख्या	भाग लेने वाले संभावित कारीगरों की संख्या	अवधि	थीम	क्रियान्वयनकारी एजेंसी
1.	दिसंबर	मास्टर क्रिएशन, दिल्ली हाट	15	120	1-15 दिसंबर, 2017	मास्टर क्रिएशन पुरस्कृत कारीगर	कोहेण्ड्स
2.	फरवरी	सूरजकुंड में सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला	15	200	1-15 फरवरी, 2018	राष्ट्रीय हस्तशिल्प मेला	हरियाणा पर्यटन
3.	दिसंबर	तोशाली मेला, भुवनेश्वर, ओडिशा	15	100	15-28 दिसंबर, 2017	राष्ट्रीय हस्तशिल्प मेला	राज्य निगम
4.	दिसंबर	शिल्परामम मेला	15	100	15-31 दिसंबर, 2017	राष्ट्रीय हस्तशिल्प मेला	शिल्परामम आर्ट्स, क्राफ्ट्स कल्चरल सोसाइटी

IV. विशेष कार्यक्रम - शिल्प संग्रहालय में भारत के लोक शिल्प त्योहार :-

शिल्प संग्रहालय में भारत के लोक शिल्प त्योहार जैसे विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जिससे सिद्धहस्तशिल्पियों द्वारा विकसित हस्तशिल्प उत्पादों का संवर्धन किया जा सके और भारतीय हस्तशिल्प के लिए ब्रांड इमेज बनाई जा सके। कार्यक्रम को 10 दिनों की अवधि के लिए सितंबर, 2017 से फरवरी, 2018 तक 20 प्रतिभागियों के साथ कोहेण्ड्स के सहयोग से आयोजित किया जाएगा जिसकी अधिकतम वित्तीय सीमा 1.5 लाख रुपए होगी।

क्रमांक	कार्यक्रम	क्रियान्वयनकारी एजेंसी	माह	सहायक एजेंसी
1.	लोक शिल्प त्योहार उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड	कोहेण्ड्स	सितंबर, 2017	राज्य हस्तशिल्प निगम
2.	लोक शिल्प त्योहार तमिलनाडु एवं पुडुचेरी, कर्नाटक, केरल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश	कोहेण्ड्स	अक्तूबर, 2017	राज्य हस्तशिल्प निगम
3.	लोक शिल्प त्योहार राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, हरियाणा, दिल्ली	कोहेण्ड्स	नवंबर, 2017	राज्य हस्तशिल्प निगम
4.	लोक शिल्प त्योहार महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, गोवा	कोहेण्ड्स	दिसंबर, 2017	राज्य हस्तशिल्प निगम
5.	लोक शिल्प त्योहार	कोहेण्ड्स	जनवरी, 2018	राज्य हस्तशिल्प निगम

	पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा			
6.	लोक शिल्प त्यौहार असम, नागालैंड, मणिपुर, त्रिपुरा	कोहेण्ड्स	फरवरी, 2018	राज्य हस्तशिल्प निगम

V. सुस्थित मॉलों/ मेट्रो शहरों में विशेष हस्तशिल्प थीमेटिक प्रदर्शनियाँ :-

क्रमांक	कार्यक्रम	क्रियान्वयनकारी एजेंसी	शहर/स्थान	माह
1.	थीमेटिक प्रदर्शनी (पूर्वोत्तर)	एनसीडीपीडी	मुंबई- फीनिक्स मार्केट सिटी, कुर्ला (वेस्ट)	मई/जून 2017
2.	-तदैव-	एनसीडीपीडी	हैदराबाद-इनोरबिट मॉल, माधपुर	मई/जून 2017
3.	थीमेटिक प्रदर्शनी (शेष भारत)	एनसीडीपीडी	मुंबई- फीनिक्स मार्केट सिटी, कुर्ला (वेस्ट)	जून 2017
4.	हिनदेक्स्ट	ईपीसीएच	वाराणसी	सितंबर 2017
5.	थीमेटिक प्रदर्शनी (शेष भारत)	एनसीडीपीडी	बेंगलुरु- फीनिक्स मार्केट सिटी, महादेवपुरा	अक्तूबर/नवंबर 2017
6.	थीमेटिक प्रदर्शनी (पूर्वोत्तर)	एनसीडीपीडी	पुणे- फीनिक्स मार्केट सिटी, विमान रोड	अक्तूबर/नवंबर 2017
7.	-तदैव-	एनसीडीपीडी	गुड़गाँव- डीएलएफ़ मॉल	अक्तूबर 2017
8.	थीमेटिक प्रदर्शनी (शेष भारत)	एनसीडीपीडी	कोलकाता- सिटी सेंटर टू, राजरहाट, न्यू टाउन	नवंबर/दिसंबर 2017
9.	-तदैव-	एनसीडीपीडी	नई दिल्ली- सेलेक्ट सिटी वॉक, साकेत	दिसंबर 2017
10.	थीमेटिक प्रदर्शनी (एससी)	एनसीडीपीडी	नई दिल्ली- हैंडलूम हाट, जनपथ	दिसंबर 2017
11.	थीमेटिक प्रदर्शनी (पूर्वोत्तर)	एनसीडीपीडी	नई दिल्ली- सेलेक्ट सिटी वॉक, साकेत	दिसंबर 2017

VI. अंतर्राष्ट्रीय शिल्प विनिमय कार्यक्रम :-

क्रमांक	कार्यक्रम	क्रियान्वयनकारी एजेंसी	शहर/स्थान
1.	बेंत एवं बांस तथा अन्य प्रकृतिक रेशे- फिलीपींस, थाईलैंड और चीन	एनसीडीपीडी	बीसीडीआई-अगरतला (त्रिपुरा)
2.	कशीदाकारी शिल्प - वियतनाम और चीन	एनसीडीपीडी	नई दिल्ली
3.	कालीन- ईरान	सीईपीसी	दिल्ली

VII. राज्य-वार कार्यक्रम :-

क. गांधी शिल्प बाजार :-

हस्तशिल्पों के संवर्धन एवं विपणन के क्रम में, महानगरों/राज्यों की राजधानियों/पर्यटन या वाणिज्यिक महत्व के स्थानों/अन्य स्थानों में गांधी शिल्प बाजार आयोजित किए जा रहे हैं। इससे देश के विभिन्न भागों के हस्तशिल्प कारीगरों/स्वावलंबन समूहों/उद्यमियों को प्रत्यक्ष विपणन मंच उपलब्ध हो पाएगा। गांधी शिल्प बाजार विशिष्ट चयनित क्षेत्रों के महत्वपूर्ण मेलों/त्योहारों/ऐतिहासिक स्थलों/ पर्यटन महत्व के स्थान आदि को ध्यान में रखते हुए आयोजित किए जाते हैं। गांधी शिल्प बाजार की अवधि 7-10 दिन होगी जिसमें 60-100 स्टॉलों को स्थान दिया जाएगा और जिसकी अधिकतम वित्तीय सीमा 20 लाख रुपये होगी। क्रियान्वयनकारी एजेंसियों का चयन विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय द्वारा योजना के अनुसार केन्द्रीय/राज्य निगमों, ईपीसी तथा अन्य पात्र एजेंसियों जैसे पात्र संगठनों में से किया जाएगा। वर्ष 2017-18 के लिए शहरों की वाणिज्यिक व्यवहार्यता के अनुसार सभी राज्यों को कवर करते हुए कुल 64 गांधी शिल्प बाजार तैयार किए गए हैं और किसी भी राज्य को वर्ष के दौरान तीन से अधिक गांधी शिल्प बाजार (जीएसबी) नहीं दिए गए हैं।

क्रमांक	राज्य	गांधी शिल्प बाज़ार की संख्या	स्थान -1	स्थान-2	स्थान-3
1.	आंध्र प्रदेश	2	यूएच तिरुपति	विजयवाड़ा	--
2.	असम	2	गुवाहाटी	डिब्रूगढ़	--
3.	बिहार	1	पटना	--	--
4.	चंडीगढ़	1	चंडीगढ़	--	--
5.	छत्तीसगढ़	2	रायपुर	जगदलपुर	--
6.	गोआ	1	पंजिम	--	--
7.	गुजरात	2	अहमदाबाद	बड़ौदा	--
8.	हरियाणा	1	गुड़गाँव	--	--
9.	हिमाचल प्रदेश	2	पालमपुर	धर्मशाला	--
10.	झारखंड	1	रांची	--	--
11.	जम्मू व कश्मीर	1	जम्मू	--	--
12.	कर्नाटक	2	बेंगलुरु	यूएच मैसूर	--
13.	केरल	2	त्रिवेन्द्रम	इरनाकुलम	--
14.	मध्य प्रदेश	2	भोपाल	ग्वालियर	--
15.	महाराष्ट्र	2	मुंबई	--	--
16.	मणिपुर	1	इंफाल	--	--

17.	मेघालय	1	शिलोंग	--	--
18.	नागालैंड	1	दिमापुर	--	--
19.	ओडिशा	3	भुवनेश्वर	कटक	संबलपुर
20.	पंजाब	1	अमृतसर	--	--
21.	पॉण्डिचेरी	1	पॉण्डिचेरी	--	--
22.	राजस्थान	3	जयपुर	अजमेर (उर्स के दौरान)	उदयपुर
23.	सिक्किम	1	गंगटोक	--	--
24.	तेलंगाना	2	हैदराबाद	वारंगल	--
25.	तमिलनाडु	2	चेन्नई	कोयंबटूर	--
26.	उत्तर प्रदेश	3	लखनऊ	वाराणसी	इलाहाबाद/मुरादाबाद
27.	उत्तराखंड	2	देहारादून	हरिद्वार	--
28.	पश्चिमी बंगाल	2	कोलकाता	दुर्गापुर	--

ख. शिल्प बाजार :-

हस्तशिल्पों के संवर्धन एवं विपणन के क्रम में, महानगरों/राज्यों की राजधानियों/पर्यटन या वाणिज्यिक महत्व के स्थानों/अन्य स्थानों में शिल्प बाजार आयोजित किए जा रहे हैं। इससे देश के विभिन्न भागों के हस्तशिल्प कारीगरों/स्वावलंबन समूहों/उद्यमियों को प्रत्यक्ष विपणन मंच उपलब्ध हो पाएगा। शिल्प बाजार विशिष्ट चयनित क्षेत्रों के महत्वपूर्ण मेलों/त्योहारों/ऐतिहासिक स्थलों/ पर्यटन महत्व के स्थान आदि को ध्यान में रखते हुए आयोजित किए जाते हैं। शिल्प बाजार की अवधि 7-10 दिन होगी जिसमें 60-100 स्टॉलों में स्थान दिया जाएगा और जिसकी अधिकतम वित्तीय सीमा 20 लाख रुपये होगी, जिसमें से अनुदान का 75 प्रतिशत विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) द्वारा वहन किया जाएगा तथा पूर्वोत्तर राज्यों के मामले में जहां पूर्वोत्तर राज्यों के कारीगरों के साथ पूर्वोत्तर राज्यों के बाहर कार्यक्रम क्रियान्वित किए जाते हैं, वहां अनुदान का 90 प्रतिशत विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) द्वारा वहन किया जाएगा। क्रियान्वयनकारी एजेंसियों का चयन विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय द्वारा योजना के अनुसार केन्द्रीय/राज्य निगमों, ईपीसी तथा अन्य पात्र एजेंसियों जैसे पात्र संगठनों में से किया जाएगा। वर्ष 2017-18 के लिए शहरों की वाणिज्यिक व्यवहार्यता के अनुसार सभी राज्यों को कवर करते हुए कुल 53 शिल्प बाजार तैयार किए गए हैं और किसी भी राज्य को वर्ष के दौरान तीन से अधिक शिल्प बाजार नहीं दिए गए हैं।

क्रमांक	**राज्य**	**शिल्प बाज़ार की संख्या**	**स्थान -1**	**स्थान-2**	**स्थान-3**
1.	आंध्र प्रदेश	2	गुंटूर	अनंतपुर	--
2.	असम	2	कोकराझार	जोरहाट	--

3.	बिहार	1	भागलपुर	--	--
4.	चंडीगढ़	1	चंडीगढ़	--	--
5.	छत्तीसगढ़	1	रायपुर	--	--
6.	गोआ	--	--	--	--
7.	गुजरात	2	वडोदरा	सूरत	--
8.	हरियाणा	1	कुरुक्षेत्र	--	--
9.	हिमाचल प्रदेश	1	कुल्लू	--	--
10.	झारखंड	2	जमशेदपुर	बोकारो	--
11.	जम्मू व कश्मीर	--	--	--	--
12.	कर्नाटक	2	यूएच मंगलुरु	बेंगलुरु	--
13.	केरल	2	त्रिवेन्द्रम	कोट्टायम	--
14.	मध्य प्रदेश	2	जबलपुर	इंदौर	--
15.	महाराष्ट्र	2	नासिक	पुणे	--
16.	मणिपुर	1	थौबल	--	--
17.	नागालैंड	1	कोहिमा	--	--
18.	ओडिशा	2	पुरी	बारगढ़	--
19.	पंजाब	1	गुरदासपुर	--	--
20.	पॉण्डिचेरी	1	पॉण्डिचेरी	--	--
21.	राजस्थान	2	पुष्कर (अजमेर)	जैसलमेर	--
22.	सिक्किम	1	गंगटोक	--	--
23.	तेलंगाना	2	हैदराबाद	खम्मम	--
24.	तमिलनाडु	2	चेन्नई	तिरुपुर	--
25.	उत्तर प्रदेश	2	कानपुर	अलीगढ़	--
26.	उत्तराखंड	2	रुड़की	देहरादून	--
27.	पश्चिमी बंगाल	2	आसनसोल	खड़गपुर	--

ग. **<u>प्रदर्शनियां :-</u>**

हस्तशिल्पों के संवर्धन एवं विपणन के क्रम में, महानगरों/राज्यों की राजधानियों/पर्यटन या वाणिज्यिक महत्व के स्थानों/अन्य स्थानों में प्रदर्शनियाँ आयोजित की जा रही हैं। इससे देश के विभिन्न भागों के हस्तशिल्प कारीगरों/स्वावलंबन समूहों/उद्यमियों को प्रत्यक्ष विपणन मंच उपलब्ध हो पाएगा। प्रदर्शनियाँ विशिष्ट चयनित क्षेत्रों के महत्वपूर्ण मेलों/त्योहारों/ऐतिहासिक स्थलों/ पर्यटन महत्व के स्थान आदि को ध्यान में रखते हुए आयोजित की जाती हैं। प्रदर्शनियों की अवधि 7-10 दिन होंगी जिसमें 10-50 स्टॉलों को स्थान दिया जाएगा और जिसकी वित्तीय सीमा 10 लाख रुपये होगी, जिसमें से अनुदान का 75 प्रतिशत विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) द्वारा वहन किया जाएगा तथा पूर्वोत्तर राज्यों के मामले में जहां पूर्वोत्तर राज्यों के कारीगरों के साथ पूर्वोत्तर राज्यों के बाहर कार्यक्रम क्रियान्वित किए जाते हैं, वहां अनुदान का 90 प्रतिशत विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) द्वारा वहन किया जाएगा। क्रियान्वयनकारी एजेंसियों का चयन विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय द्वारा योजना के अनुसार केन्द्रीय/राज्य निगमों,ईपीसी तथा अन्य पात्र एजेंसियों जैसे पात्र संगठनों में से किया जाएगा। वर्ष 2017-18 के लिए शहरों की वाणिज्यिक व्यवहार्यता के अनुसार सभी राज्यों को कवर करते हुए कुल 63 प्रदर्शनियाँ तैयार की गई हैं और किसी भी राज्य को वर्ष के दौरान तीन से अधिक प्रदर्शनियाँ नहीं दी गई हैं।

क्रमांक	राज्य	प्रदर्शनियों की संख्या	स्थान -1	स्थान-2	स्थान-3
1.	आंध्र प्रदेश	3	इलूरु (दिवाली मेला)	कुरनूल (संक्रांति मेला)	सिरीकाकुलम (रथयात्रा)
2.	अंडमान एंड निकोबार द्वीप	1	पोर्ट ब्लेयर (पर्यटक)	-	-
3.	अरुणाचल प्रदेश	1	ईटानगर (परशुराम मेला)	-	-
4.	असम	3	शिवसागर (शिवरात्रि)	नलबाड़ी (रास मेला)	गोलपारा (सूर्य मेला)
5.	बिहार	3	राजगीर (राजगीर मोहत्सव)	सोनपुर (कार्तिक पूर्णिमा)	गया (धार्मिक)
6.	चंडीगढ़	1	चंडीगढ़ (विरासत)	-	-
7.	छतीसगढ़	2	बस्तर (दशहरा)	राजिम (कुंभ मेला)	-
8.	गोआ	1	दमन (पर्यटक)	-	-
9.	गुजरात	3	द्वारका (धार्मिक)	कच्छ (कच्छ महोत्सव)	अहमदाबाद यूएच (पर्यटक)
10.	हरियाणा	2	हिसार (मकर सक्रांति)	रोहतक (तीज मेला)	-
11.	हिमाचल प्रदेश	2	शिमला (पर्यटक)	मनाली (पर्यटक)	-
12.	झारखंड	2	देवघर (शिवरात्रि)	हज़ारीबाग (मकर मेला)	-

13.	जम्मू व कश्मीर	1	कटरा (धार्मिक)	-	-
14.	कर्नाटक	3	मंगलुरु यूएच	मैसूर यूएच (दशहरा)	हसन (कार फेस्टिवल)
15.	केरल	2	त्रिचूर (ओणम त्यौहार)	अलप्पूज़ा (ओणम फेस्टिवल)	-
16.	मध्य प्रदेश	3	उज्जैन (कुंभ)	खजुराहो (विरासत)	इंदौर (मालवा उत्सव)
17.	महाराष्ट्र	3	कोल्हापुर (नवरात्रि)	नागपुर (ऑरेंज फेस्टिवल)	औरंगाबाद (शिवरात्रि)
18.	मणिपुर	1	मोइरंग (संघाई मेला)	-	-
19.	मेघालय	1	शिलांग (पर्यटक)	-	-
20.	मिजोरम	1	आइज़वाल (पर्यटक)	-	-
21.	नागालैंड	1	कोहिमा (होर्न फेस्टिवल)	-	-
22.	ओडिशा	3	संभलपुर (सीतल षष्ठी)	ब्रह्मपुर (दशहरा)	राऊरकेला (पर्यटक)
23.	पंजाब	2	जालंधर (विरासत)	अमृतसर (धार्मिक)	-
24.	पॉण्डिचेरी	1	पॉण्डिचेरी (औरोबिंदो फेस्टिवल)	-	-
25.	राजस्थान	3	बारमेर (तीज मेला)	जयपुर (पर्यटक)	जोधपुर (दशहरा)
26.	सिक्किम	1	गंगटोक (पर्यटक)	-	-
27.	तेलंगाना	3	निज़ामाबाद (दशहरा)	नलगोंडा (सक्रांति)	करीमनगर (रमजान)
28.	तमिलनाडु	3	ऊटी (पर्यटक)	त्रिची (पर्यटक)	रामेश्वरम (धार्मिक)
29.	त्रिपुरा	1	अगरतला (पर्यटक)	-	-
30.	उत्तर प्रदेश	3	आगरा (पर्यटक विरासत)	इलाहाबाद (कुंभ मेला)	मथुरा (धार्मिक)
31.	उत्तराखंड	2	नैनीताल (पर्यटक)	देहरादून (पर्यटक)	-
32.	पश्चिमी बंगाल	3	बर्द्धवान (दुर्गा पूजा)	शांतिनिकेतन (पोष मेला)	कूचबेहर (दिवाली मेला)
33.	सीसीआईसी, नई दिल्ली	7	चेन्नई (2)	बेंगलुरु (2)	हैदराबाद वाराणसी अहमदाबाद